

कम्पन

आनन्द अलौकिक आकर ,
विह्वलता का उत्पादन ।
पूर्णत्व प्रभावित तन हो ,
रोमांच रभस प्रतिपादन ।।

—कुलदीप चतुर्वेदी 'निर्भय'